

Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 25 मई, 2023

महिला सशक्तीकरण के लिये भारत के भ्रष्टाचार वरिधी प्रयास

ऋषिकेश में आगामी **G20 भ्रष्टाचार वरिधी कार्य समूह की बैठक** में भारत अपने अनुभवों पर प्रकाश डालेगा जहाँ **भ्रष्टाचार वरिधी प्रयासों ने महिला सशक्तीकरण पर सकारात्मक प्रभाव** डाला है। बैठक में महिलाओं पर भ्रष्टाचार के प्रभाव, **लेखांकन संस्थानों** की भूमिका और आर्थिक अपराधियों की एक सामान्य परिभाषा की स्थापना सहित कई विषयों को शामिल किया जाएगा। बैठक के दौरान एक अलग कार्यक्रम में लैंगिक संवेदनशीलता तथा भ्रष्टाचार वरिधी रणनीतियों के प्रतियेदन का पता लगाने की भारत की पहल पर प्रकाश डाला जाएगा। भारत का लक्ष्य **शिव सत्र पर भ्रष्टाचार का मुकाबला करने और आर्थिक अपराधियों को उदार कानूनों वाले देशों में शरण लेने से रोकने में G20 देशों** की प्रतियेदधता को मजबूती प्रदान करना है। वर्ष 2018 में **अर्जेंटीना की G20 प्रेसीडेंसी** के दौरान **भगोड़े आर्थिक अपराधों और परसिंपत्तकी वसूली के खिलाफ कार्रवाई के लिये** भारतीय प्रधानमंत्री का नौ सूत्री मसौदा, सभी G20 देशों की चर्चाओं के साथ प्रतियेवनिता होता है। भारत **सार्वजनिक वित्त में पारदर्शिता और उत्तरदायित्व बढ़ाने के लिये सर्वोच्च लेखापरीक्षा प्राधिकरणों तथा भ्रष्टाचार वरिधी निकायों के बीच सहयोग पर बल** देते हुए भ्रष्टाचार का सामना करने में लेखापरीक्षा की भूमिका के संबंध में उच्च प्रथाओं का एक सार-संग्रह भी संकलित कर रहा है। यह व्यापक दृष्टिकोण भ्रष्टाचार के वरिद्ध लड़ाई को मजबूत करने में भारत की प्राथमिकता को प्रदर्शित करता है।

और पढ़ें... **G-20 और बहुपक्षवाद की आवश्यकता**

स्थानीय जनजातियों द्वारा मणपुर के पहाड़ी क्षेत्रों को अलग करने की मांग

स्थानीय जनजातीय नेताओं का फोरम (Indigenous Tribal Leaders' Forum- ITLF) मणपुर में जनजातीय नेताओं का मंच है जो खुद को मणपुर के चुराचाँदपुर में मान्यता प्राप्त जनजातियों के समूह के रूप में वर्णित करता है। इसने राज्य के अन्य हिस्सों से मुख्य रूप से **कुकी-चनि-जोमी-मजिो समूह** की स्थानीय जनजातियों द्वारा बसे पहाड़ी क्षेत्रों को पूरी तरह से अलग करने का आह्वान किया है। मणपुर के चुराचाँदपुर जिले में मान्यता प्राप्त जनजातियों का प्रतिनिधित्व करने वाले ITLF ने CRPF के पूर्व प्रमुख को याचिका सौंपी, जिन्हें हालिया जातीय संघर्षों के **बाक्सणपुर सरकार के सुरक्षा सलाहकार के रूप में नियुक्त किया गया था**। इस मंच ने प्रमुख **मैतेई लोगों** के साथ सह-अस्तित्व पर असमर्थता व्यक्त की, उन पर अंतहीन अत्याचार करने और आदिवासी लोगों के प्रति घृणा प्रदर्शित करने का आरोप लगाया।

और पढ़ें... **मणपुर में हिसा, मैतेई द्वारा ST दर्जे की मांग**

असम और मेघालय सीमा विवाद को सुलझाने के प्रयास

हाल ही में **असम और मेघालय** के बीच मुख्यमंत्री स्तर की बैठक में **दोनों राज्यों के बीच लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवाद को हल करने की दशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया**। **असम और मेघालय 884 कर्मी. लंबी सीमा साझा करते हैं**, यह बैठक शेष छह विवादित क्षेत्रों के लिये संकल्प प्रक्रिया की "शुरुआत" थी। **जुलाई 2021** से वे विवादों को नपिटाने के लिये चर्चा में लगे हुए हैं और पिछले मार्च, 2022 में उन्होंने बारह विवादित क्षेत्रों में **सह को संबोधित करने के लिये एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर** किये। जनि छह क्षेत्रों में विवाद बना हुआ है, वे लंगपीह, बोरदुआर, नोंगवाह-मावतामुर, देशडुमरिया, ब्लॉक 1 और ब्लॉक II तथा सधिर-खंडुली हैं। इसके अतिरिक्त बैठक में दोनों राज्यों द्वारा पूर्व में गठित तीन पैनलों द्वारा विवादित क्षेत्रों का दौरा शुरू करने का निर्णय लिया गया। ये घटनाक्रम **सीमा मुद्दों को हल करने और क्षेत्र में शांति तथा स्थिरता को बढ़ावा देने के लिये नए सरे से प्रतियेदधता का संकेत देते हैं**।



//

और पढ़ें: [असम-मेघालय सीमा विवाद](#)

चांग्थी परियोजना

मलयालम परीक्षा में [प्रवासी श्रमिकों](#) की उपलब्धि केरल साक्षरता मशिन के तहत चांग्थी परियोजना की सफलता पर प्रकाश डालती है। समाज में [प्रवासी मजदूरों द्वारा सामना किये जाने वाले बहिष्कार](#) को संबोधित करने हेतु डिज़ाइन किये गए इस कार्यक्रम का उद्देश्य उन्हें मलयालम तथा हिंदी में पढ़ना-लिखना सिखाना है। सामाजिक-सांस्कृतिक एकीकरण के महत्त्व को स्वीकार करते हुए साक्षरता मशिन प्रवासी श्रमिकों को उनके राज्य की बारीकियों को समझने के लिये आवश्यक कौशल से युक्त करना चाहता है। यह कार्यक्रम पहली बार 15 अगस्त, 2017 को पेरुम्बूर, केरल में शुरू किया गया था। चांग्थी जैसी पहलों के माध्यम से प्रवासी श्रमिकों को सशक्त बनाया जा रहा है। यह बाधाओं को तोड़कर और समाज में अधिक समावेशिता को बढ़ावा दे रहा है।

और पढ़ें... [प्रवासी मुद्दे और सुरक्षा उपाय](#)